निदेशकों का प्रतिवेदन

दृष्टि

भारत की बुनियादी संरचनाओं के विकास कार्य में अग्रणी बने रहना।

लक्ष्य

- निर्माण श्रेत्र में एक लाभकारी सरकारी उद्यम के रूप में बने रहना।
- गुणवत्ता के साथ समय पर परियोजनाओं का निष्पादन

निदेशकों का प्रतिवेदन

प्रिय

अंशधारीगण,

आपके निदेशकों को 31 मार्च 2008 को समाप्त हुए वर्ष के लिए कंपनी का 44 वाँ वार्षिक प्रतिवेदन, जाँच किए गए हिसाब किताब का विवरण तथा लेखापरीक्षकों का प्रतिवेदन एवं भारत के नियंत्रक व महालेखापरीक्षक की टिप्पणियां प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता हो रही है।

1. वित्तीय समीक्षा :

पिछले तीन वर्षों में कम्पनी की वित्तीय स्थिति इस प्रकार रही :

(रुपए करोड़ में)

		2007-08	2006-07	2005-06
i)	व्यापारावर्त	526.18	433.33	349.80
ii)	श्रमशक्ति लागत	19.90	21.93	23.59
iii)	प्रशासनिक व्यय	10.85	7.46	7.65
iv)	परिचालन लाभ	40.21	30.17	30.96
v)	सेवा निवृत्ति लाभ	2.55	2.07	4.51
vi)	ह्रास मूल्य	2.44	2.13	2.19
vii)	सरकारी ऋण पर ब्याज 29.63	81.93	68.92	
viii)	अन्य ब्याज और वित्तीय प्रभार	1.05	0.98	0.90
ix)	आस्थगित राजस्व व्यय	5.04	24.23	31.11
x)	असामान्य व्यय	#23.90	—	# 8.88
xi)	अन्य प्रावधान	2.19	2.15	—
xii)	आस्थगित कर एवं एफ.बी.टी	0.13	0.18	0.42
xiii)	शुद्ध हानि	**(26.72)**	**(83.50)**	**(85.97)**

#लीबिया परियोजना पर हानि

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान उल्लेखनीय रूप में कम्पनी की वित्तीय स्थिति में चौतरफा सुधार हुआ है। कम्पनी का व्यापारावर्त प्रगति के रुख को दर्शाती है। वर्ष 2006-07 की तुलना में वर्ष 2007-08 में यह 21% प्रतिशत या रु 92.85 करोड़ तक बढ़ी। वर्ष के दौरान 2006-07 में शुद्ध हानि रु 83.50 करोड़ से घटकर रु 26.72 करोड़ हुई। श्रमशक्ति पर व्यय रु.21.93 करोड़ से घटकर रु 19.90 करोड़ हुई। कम्पनी के नकद में भी 31 मार्च 2008 तक सुधार हुआ है। कम्पनी की कार्यशील पूँजी बढ़ी है जो सकारात्मक संतुलन को दर्शाती है। भारत सरकार द्वारा वर्ष 1999 में स्वीकृत पुनर्संरचना-सह-वित्तीय पैकेज के अनुसरण में स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति योजना के खर्च को चुकाने के लिए कम्पनी ने विभिन्न बैंकों से रु 518.36 करोड़ का ऋण प्राप्त किया जिसके ब्याज पर भारत सरकार द्वारा पूर्ण परिदान स्वीकृत है। स्वैच्छिक सेवानिवृति के तहत 31 मार्च 2008 तक कुल 11,484 कर्मचारी कम्पनी की सेवा से अलग हुए।

2. आर्डर प्राप्ति :

वित्तीय वर्ष के दौरान कम्पनी ने सर्वाधिक आर्डर प्राप्ति दर्ज की है। उच्च मूल्य और अखिल भारतीय

3. परियोजनाओं का साधारण पर्यावलोकन :

आपकी कम्पनी पूरे भारत में विभिन्न क्षेत्रों जैसे इस्पात और पावर प्लांट, नागरिक सुखसाधन और बुनियादी संरचनाओं की परियोजनाएं आरम्भ कर पूरे देश में अपनी एक साख स्थापित की है।

(क) इस्पात संयंत्र कार्य

आपकी कम्पनी की सरकारी क्षेत्र में एकीकृत इस्पात संयंत्रों के निर्माण में सफलतापूर्ण और शानदार भूमिका रही है। एकीकृत इस्पात संयंत्र के निर्माण में इसकी यात्रा 1964 में बोकारो इस्पात संयंत्र के प्रथम चरण के निर्माण से शुरु होती है। आगे चलकर इसने सेल और आर आइ एन एल के अन्तर्गत प्रायः सभी इस्पात संयंत्रों के निर्माण में विभिन्न नियत कार्यो को अपने हाथों में लिया। एच एस सी एल का कार्य क्षमता क्षेत्र भूमि विकास से लेकर प्लांट चालू करने तक विस्तृत है। नब्बे दशक के अन्त और वर्तमान दशक के आरम्भ में इस्पात उद्योग में मन्दी का दौर रहा। ग्यारहवीं योजना के दौरान सेल और आर आइ एन एल के क्षमता सम्बर्द्धन कार्यक्रम के तहत लगभग रु 52,000 करोड़ के नये निवेश की संभावना है। इस्पात संयंत्रों में होने वाले क्षमता सम्बर्द्धन कार्यक्रम के तहत व्यवसाय का एक वृहत अंश प्राप्त करने के लिए कम्पनी अपने संसाधनो को बढ़ाने और अपने प्रयासों को तीब्रकरने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

कम्पनी ने अपनी स्थापना से लेकर 31.3.2008 तक इस्पात संयंत्रों में करीब रु 5140 करोड़ मूल्य का कार्य निष्पादित किया है।

कम्पनी ने वर्ष 2007-08 के दौरान इस्पात क्षेत्र में करीब रु 150 करोड़ का व्यापारावर्त प्राप्त किया है।

बोकारो इस्पात संयंत्र : कम्पनी ने 1964 में बोकारो स्टील प्लांट के प्रथम चरण अर्थात् 1.7 लाख टन कार्य से आरम्भ किया। आगे चलकर 2.5 लाख टन और 4 लाख टन क्षमता का कार्य कम्पनी ने अपने हाथों लिया एवं उन्हें सफलतापूर्वक अंजाम दिया। बोकारो इस्पात संयंत्र के निर्माण में कोक ओवन बैटरी, हॉट रॉलिंग मिल, कोल्ड रॉलिंग मिल तथा स्टील और कंक्रीट चिमनी सहित अन्य पूरक सुविधाओं के लिए मृदा परीक्षण से लेकर चालू करने तक में एच.एस.सी.एल की हिस्सेदारी सम्पूर्ण एवं विस्तृत थी। यह एक बड़े गौरव की बात है कि यह संयंत्र आज अपनी पूरी क्षमता और ग्राहकों की पूर्ण संतुष्टि के साथ चालू स्थिति में है। परियोजना कार्य में कमी आने के फलस्वरुप इकाई में अपने संस्थापन के सहायतार्थ एच.एस.सी.एल बोकारो स्टील प्लांट के परिचालन एवं चिरस्थायी कार्यो को अपने हाथों लेना शुरु किया। इस्पात संयंत्रों की जरुरतों के मद्दे नजर एच एस सी एल स्थायी तौर पर बोकारो में आधुनिक निर्माण उपस्करों का रखरखाव कर रही है। वर्ष 2007-08 के दौरान बोकारो में कम्पनी के निम्नलिखित कार्यकलाप रहे :

- ऐश पोण्ड से ऐश निकाल कर उसकी ढुलाई करना
- कीचड़ उप खण्ड से कीचड़ की निकासी
- भंडारों में साज समानों का संचालन
- डिब्बों का मरम्मत
- प्रस्तावित नये एस एम एस - ।।। बुनियादी सुविधाओं का निर्माण
- ऑक्सीजन प्लांट का सिविल कार्य
- द्वितीय लैड्ल फर्नस एस एम एस-।।
- ठाउन सर्विसेज एवं अन्य फुटकर कार्य।

भिलाई इस्पात संयंत्र : भिलाई इस्पात संयंत्र के 4 एम.टी विस्तार कार्य में एच एस सी एल का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। मुख्य इकाइयां जो कम्पनी द्वारा निर्माण कर चालू की गई है वे इस प्रकार हैं प्लेट मिल । और ।। कन्वर्टर शॉप, कनकास्ट, घमन भट्ठी न. 7, कोक ओवन बैटरी नं 9 रॉ मेटेरियल प्लांट-ii वेनजॉल परिशोधन प्लांट सहायक शॉप, संयंत्र के अन्दर रेलवे कार्य, वायर रॉड मिल, ठाउनशिप इत्यादि।

कम्पनी प्लांट के परिचालन और रखरखाव का कार्य नियमित रुप से कर रही है। भिलाई इस्पात संयंत्र के क्षमता सम्बर्द्दन कार्यक्रम के तहत एच एस सी एल ने अनेक पैकेजों का कार्य हासिल किया है तथा निकट भविष्य में कुछ उच्च मूल्य के आर्डर प्राप्त करने के लिए प्रयत्नशील है। इकाई में एच एस सी एल के उपस्करों का बेड़ा काफी सुसज्जित एवं प्रर्याप्त है जो परियोजना के परिचालन और किसी भी प्रकार की आकस्मिक कार्यो को अविलम्ब करने में पूर्ण सक्षम है।

कम्पनी ने वर्ष 2007-08 के दौरान भिलाई इस्पात संयंत्र में निम्नलिखित कार्यो को अंजाम दिया है।

- घमन भट्ठी का मरम्मत।
- प्लेट मिल गैस बूस्टर स्टेशन में 1400 डाया गैस पाइप लाइन और 3000 डाया बी एफ गैस हेडर का पुनः स्थापन।
- एस एम एस-।। में स्लेव कास्टर यूनिट का संरचनात्मक कार्य।

- सेल/बी एस पी के होने वाले विस्तार कार्य के लिए बुनियादी कार्य जैसे निर्गम मार्ग को मोड़ना मिट्टी के ढेर की ढुलाई, मौजूद संरचनाओं को ढाहना तथा भूसमतलन का कार्य।
- टाउनशिप का रखरखाव और फुटकर मरम्मत और जीर्णोद्धार कार्य।

विशाखापत्तनम इस्पात संयंत्र : विशाखापत्तनम इस्पात संयंत्र के 3.2 एम.टी. चरण कार्य में एच एस सी एल की संलग्नता पूरे प्लांट क्षेत्र के भूसमतलन कार्य से शुरु हुई। तदोपरांत घमन भट्ठी नं 1 और 2 का सिविल कार्य, कच्चा माल के संचालन पद्धत्ति, स्टील मेल्टिंग शॉप के कार्यो को सफलतापूर्वक निष्पादित किया। इसके अलावा प्रथम चरण में घमन भट्ठी-2 के संरचनात्मक कार्य, कोक ओवन और सह उत्पाद प्लांट के संरचनात्मक और यांत्रिकी कार्यो को निष्पादित करते हुए बृहत विधुतीय पैकेज के कार्य को अंजाभ दिया। प्रथम चरण के चालू होने के पश्चात् कुछ चिरस्थायी कार्य जैसे कोक ओवन बैटरियों का हॉट और कोल्ड मरम्मत तथा परिचालित् प्लांट में अन्य रखरखाव कार्यो को अपने हाथों में लिया। 6.3 एम.टी. के तहत चालू विस्तार कार्यक्रम के कार्यो से भी युक्त है। एच एस सी एल ने कुछ सिविल और संरचनात्मक पैकेजों के कार्यो को हाथ में लिया है तथा भविष्य में और भी नियत कार्या के लिए प्रयत्नशील है।

वर्ष 2007-08 के दौरान कम्पनी विशाखापत्तनम् इस्पात संयंत्र (आर आइ एन एल) में निम्नलिखित कार्यो को कार्यान्वित किया है।:

- वी सी एस वाई में तैयार मालों का संचालन
- गैर घूमावदार ब्लूम्स का संचालन और संसाधन
- ब्लूम स्क्रेप भ्रंशोद्धार
- स्क्रेप भ्रंशोद्धार और निरीक्षण
- कोक ओवन बैटरियों का निरन्तर और आयोजित मरम्मत
- बैटरी नं 1,2 और 3 के चालू और नियमित मरममत के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करना।
- बैटरी नं 4 के इस्पात संरचनाओं का निर्माण उत्थापन और क्लेडिंग।
- कच्चा माल संचालन प्रणाली में संरचनात्मक इस्पात कार्य और वायर रॉड मिल।
- विशिष्ट बार मिल और कच्चा माल संचालन के लिए पाइलिंग कार्य।
- 14 मेगा वाट पावर प्लांट चरण-II का सिविल कार्य और फेनॉल उपशिष्ट जल अभिक्रिया प्लांट।
- प्लांट के अंदर सड़क का विस्तार तथा
- अन्य संचालन और फुटकर कार्य।

दुर्गापुर इस्पात संयंत्र : कम्पनी ने वर्ष 2007-08 के दौरान दुर्गापुर इस्पात संयंत्र के क्षमता सम्बर्द्दन कार्यक्रम के तहत निम्नलिखित परियोजना कार्यो को पूरा कर सौप दिया है :

- ब्लूम कास्टर का सिविल और संरचनात्मक कार्य।
- ब्लूम कास्टर को ऊर्जा आपूर्ति पैकेज।
- रिहिटिंग भट्ठी की स्थापना के लिए सिविल और संरचनात्मक कार्य।
- लैड्ल भट्ठी का संरचनात्मक रूपांतर कार्य।

एन.आई.एन.एल./डुबुरी, उड़ीसा : एन आई एन एल डुबुरी, में 1 एम.टी घमन भट्ठी का एच एस सी एल द्वारा सफलतापूर्वक निर्माण कर चालू कर दिया गया है। यह अपने आप में एक अनोखा किस्म का कार्य था। यह एक पुराना घमन भट्ठी था जिसे पुनः अनुकुलित कर एच एल सी एल द्वारा अन्य पूरक इकाइयों के साथ-साथ उत्थापन किया गया। यह भट्ठी अपनी पूरी क्षमता के साथ ग्राहकों के पूर्ण संतुष्टि के अनुरुप कार्य कर रही है।

कम्पनी डुबुरी में फिलहाल बी ओ एफ तथा सी सी डी का सिविल और संरचनात्मक कार्य और अन्य संचालन और फुटकर कार्यो को कार्यान्वित कर रही है।

सेलम स्टील प्लांट :

सेलम स्टील प्लांठ के पिछले तीनों चरणों के निर्माण में सिविल और संरचनात्मक कार्यो में एच.एस.सी.एल का योगदान रहा है। कम्पनी ने प्रथम चरण में कोल्ड रॉलिंग मिल, द्वितीय चरण में जेडमिल और तृतीय चरण में हॉट रॉलिंग मिल का निर्माण किया। चालू विस्तार कार्यक्रम के अन्तर्गत कम्पनी निम्नलिखित कार्यो को कार्यान्वित कर रही है।

- सी आर एम परिसर के लिए संरचनात्मक स्टील और क्लेडिंग वर्क।
- प्लांट के भीतर रेल लाइन का कार्य।

ख विद्युत संयंत्र कार्य : वर्षो से कम्पनी विद्युत क्षेत्र में अनेक परियोजनाओं के कार्यो को अंजाम दे चुकी है। जिनमें निम्नलिखित उल्लेखनीय है :

- एन टी पी सी सुपर थर्मल पावर प्लांट, सिमाद्री में जल प्रणाली तैयार करना जिसमें गहरे समुद्र में कुंआ और जेट्टी का निर्माण शामिल है।

- एन टी पी सी तालचर सुपर थर्मल पावर प्लांट के यूनिट संख्या 3,4,5,6, (4x500 मेगा वाट) का निर्माण।
- एन टी पी सी, ऊँचाहार सुपर थर्मल पावर प्लांट में मुख्य प्लांट और ऑफ साइट सिविल कार्य पैकेज।
- एन टी पी सी के पावर प्लांटों में चालू परियोजनाओं की स्थिति निम्नलिखित है।

कहलगाँव (बिहार)

- एस. जी. एरिया सिविल कार्य पैकेज और मुख्य प्लांट कार्य पैकेज क्रमशः रु 36.40 करोड़ और रु 33.20 करोड़ के कार्य प्रगति पर है।
- कहलगाँव में रु 7.00 करोड़ मूल्य के लागून III ए.बी.सी का एस डाइक कार्य प्राय : पूरे हो चुके हैं।
- **विन्ध्याचल :**
  एस.जी.एरिया सिविल कार्य पैकेज और ऑफ साइट परिया सिविल कार्य पैकेज जिसका मूल्य क्रमशः रु 33.00 करोड़ और रु 18.78 करोड़ के कार्य पूर्णता के कगार पर हैं।
- **सिपत :**
  ऑफ-साइट सिविल कार्य पैकेज तथा एस-जी क्षेत्र के सिविल कार्य पैकेज रु 38.78 करोड़ और रु 64.29 करोड़ मूल्य के कार्य प्रगति पर है।

ग बाँध सिंचाई परियोजनाओं :

- पुरे देश में सिंचाई परियोजनाओं के निर्माण में कम्पनी का अनोखा इतिहास रहा है।
- कर्नाटक राज्य के सूपा में निर्मित 350 मीटर लम्बा और 101 मीटर ऊँचा कंक्रीट बांध आज कम्पनी के निर्माण क्षमता का प्रबल प्रमाण प्रस्तुत करता है।
- अन्ध्रप्रदेश में परनापल्ली के नजदीक चित्रावती संतोलन जलाशय का निर्माण। स्वर्णरेखा वहुउद्देशीय परियोजना के लिए इंचा डेम बेतवा रिभर बोर्ड के लिए बिहार में मिट्टी का बांध परियोजना आदि उल्लेखनीय हैं।
- बिहार में बागमती नदी का अनुकूलितकरण परियोजना
- बिहार के जल संसाधन विभाग के साथ एक समझौता ज्ञापन के आधार पर कम्पनी ने हाल में वागमती नदी का नदी अनुकूलितकरण का मेगा टर्नकी परियोजना अपने हाथों में लिया है। (798 करोड़)

कम्पनी की निम्नलिखित चालू सिंचाई परियोजनाएं निम्नलिखित हैं :-

- दुर्गावती, सासाराम (बिहार) में रु 80.00 करोड़ मूल्य का स्पीलवे डेम परियोजना को पुनः शुरु करने के लिए अनुमति की प्रतिक्षा की जा रही हैं।
- गाजियाबाद में उत्तर प्रदेश के सिंचाई विभाग के अन्तर्गत नन्दग्राम मार्जिनल बांध को चौड़ा करने का काम। इस परियोजना का मूल्य रु 10.00 करोड़ हैं।
- दिल्ली नगर निगम के अन्तर्गत मदीपुर नाला का काम जो रु 28.00 करोड़ मूल्य का है।

घ डी. रेलवे परियोजनाएं

- कम्पनी ने हाल के वर्षो में पूरे देश में रेलवे परियोजनाओं की ओर व्यापक रूप में आपने कार्यकलापों की मोड़ दिया है।
- रेलवे परियोजनाओं में एच.एस.सी.एल की सहभागिता में तटबंधों का निर्माण, गेज परिवर्तन के लिए छोटे एवं बड़े पुलों का निर्माण एवं नई लाइनों को बिछाना, प्लेट फार्म का निर्माण, रेलवे वर्कशॉप, प्रशासनिक भवनों, तथा अन्य सुविधाएं शामिल हैं। पूर्व मध्य, दक्षिण मध्य और दक्षिण पश्चिम रेलवे कम्पनी के बड़े ग्राहक हैं।
- वर्ष 2007-08 के दौरान कम्पनी ने निम्नलिखित रेलवे परियोजनाओं का कार्य पूरा किया है :-

- दक्षिण मध्य रेलवे के लिए कम्पनी ने विजयवाड़ा के नजदीक पुल नं 16 का निर्माण किया। परियोजना का मूल्य रु 2.74 करोड़।
- पूर्व मध्य रेलवे के लिए कम्पनी ने दरभंगा और नरकटियागंज के बीच पुल संख्या 80,1 ओर 2 का पाइल फाउंडेशन का कार्य किया। मूल्य रु 9.95 करोड़।
- कम्पनी ने रु. 23 करोड़ की लागत वाली गंगा ब्रिज दक्षिण समीन्त पटना में तटबंध का निर्माण किया है।
- समस्तीपुर और खगड़िया के बीच में कम्पनी ने रु 6 करोड़ मूल्य के छोटे एवं बड़े पुलों का निर्माण किया।

कम्पनी की चालू रेलवे परियोजनाएं निम्नलिखित है :-

- पूर्व मध्य रेलवे के लिए बिहार में दरभंगा और नरकटियागंज के बीच रु 17 करोड़ मूल्य के बड़े एवं छोटे पुलों का निर्माण।
- पूर्व मध्य रेलवे के लिए समस्तीपुर में रु. 19 करोड़ मूल्य के वर्कशॉप का निर्माण।
- पूर्व मध्य रेलवे के लिए मूजा और सीतामढ़ी के बीच पुल नं 9,15 और पुल नं 30, 31 के उप संरचना और

उत्कृष्ट संरचना का निर्माण तथा राजगीर और तिलैया के बीच रेलवे ओवर ब्रीज और अंडर ब्रिज का निर्माण। दोनों परियोजनाओं का कुल मूल्य रु 15 करोड़ है।

- पूर्व मध्य रेलवे के कोडरमा और हजारीबाग के बीच बी.जी. लाइन के लिए चार बड़े पुलों का निर्माण। मूल्य रु 6 करोड़।
- पूर्व मध्य रेलवे के अन्तर्गत रु 12 करोड़ मूल्य की लागत से हाजीपुर में महाप्रबंधक के मुख्य प्रशासनिक भवन का निर्माण।
- पूर्व मध्य रेलवे के अन्तर्गत समस्तीपुर वर्कशॉप में रोड और प्रसासनिक भवन का निर्माण। मूल्य रु 19 करोड़।
- दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के लिए बोकारो इकाई के अन्तर्गत हजारीबाग और बड़काखाना के बीच बड़े पुल का निर्माण।
- पूर्व मध्य रेलवे के लिए बोकारो इकाई के अन्तर्गत बड़काखाना और हजारीबाग के बीच नई बी.जी. लाईन के निर्माण के लिए मिट्टी का कार्य तथा छोटे पुलों का काम। परियोजना मूल्य रु 12 करोड़।
- बोकारो इकाई के अन्तर्गत पूर्व रेलवे के लिए कोड़रमा और रांची तथा दुमका और रामपुरहाट के बीच बी.जी. लाईन का निर्माण इन दोनों परियोजनाओं का मूल्य रु 26 करोड़ है।
- पूर्व मध्य रेलवे के लिए उड़ीसा में नोवापारा - गुणुपुर सेक्शन में गेज परिवर्तन से संबंधित मिट्टी का काम। मूल्य रु 6 करोड़।
- पूर्व मध्य रेलवे के लिए सीतानगरम और बोबली के बीच रु 4 करोड़ की लागत से रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण रु 14 करोड़।
- दक्षिण पश्चिम रेलवे के अन्तर्गत काडूर और चिकमंगलूर के बीच 10 x 32 एम स्पॉन प्रि स्ट्रेस्ट कंक्रिट वॉक्स गार्डर ब्रिज का निर्माण। परियोजना मूल्य रु 19 करोड़ है।
- दक्षिण पश्चिम रेलवे के हुबली में क्षेत्रीय कार्यालय मूल्य रु 16 करोड़।

ङ सड़क और राजमार्ग :

सड़क क्षेत्र के व्यवसाय में कम्पनी की काफी पुरानी एवं अनुभवी भूमिका रही है। प्रायः सभी इस्पात संयंत्रों के लिए संयंत्र के भीतर एवं टाउनशिप के सड़को का काम शुरु कर एच एस सी एल ने उच्च मूल्य के फ्लाइओवर और द्वितीय हुगली सेतु का पहुँच मार्ग रोड, मध्यप्रदेश में भोपाल सिहोर वाईपास सड़क इत्यादि का निर्माण किया है। इसके आलावा तामिलनाडु में विश्व बैंक से सहायता प्राप्त सेलम कारुर और टुटीकोरीन के बीच दो सड़क रखरखाव परियोजनाएं उल्लेखनीय हैं।

राजमार्ग परियोजनाएं

एन एच आइ के अन्तर्गत नागपुर में एन.एच-7 के फोर लेनिंग के लिए कम्पनी राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना कार्य में दाखिल हुई है। तथा उड़ीसा में राजकीय राजमार्ग विभाग के अन्तर्गत एन एच-42 के भारवहन क्षमता को सशक्त कर रही है।

फ्लाईओवर परियोजना, नोयडा :-

वर्ष 2007-08 के दौरान नोयडा में प्रतिष्ठित रु 106 करोड़ का फिल्म सिटी फ्लाईओवर प्रोजेक्ट को सफलतापूर्वक पूरा कर आवागमन के लिए चालू कर दिया गया है।

प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना परियोजनाएं :

प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत विभिन्न राज्य सरकारों के ग्रामीण इंजीनीयरिंग विभागों के अधीन नई सड़कों एवं मौजूदा लिंकों का चरणबद्ध रूप से उन्नत का निर्माण कार्य कम्पनी कर रही है। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना, सरकार की भारत निर्माण कार्यक्रम के तहत एक प्रमुख पहल है। सरकारी क्षेत्र में एच.एस.सी.एल एक अग्रणी निर्माण कम्पनी होने के नाते देश के सुदूर क्षेत्रों में विकास कार्यक्रमों में सहयोगिता कम्पनी अपनी प्राथमिक दायित्व समझती है। कम्पनी द्वारा किये गये कार्यां में मृद परीक्षण, डी पी आर तैयार करना, चरणवद्ध रुप में नये ग्रामीण लिंक सड़क, शुरु में 1000 जन संख्या वाले क्षेत्रों में और बाद में द्वितीय चरण में 500 जन संख्या वाले क्षेत्रों में सामिल है। इस कार्यक्रम के तहत मौजूदा लिंकों को उन्नत करना तथा 5 वर्षो तक निर्दित सड़कों के रखरखाव कार्य बहाल रखना है। एच एस सी एल की सहभागिता एक पूर्ण परियोजना कार्यान्वयन एजेन्सी के रूप में हैं। कम्पनी त्रिपुरा के दो जिलों उत्तर तथा धलाई में प्रधान मंत्री ग्रामीण सड़क योजना कार्य तीन चरणों के तहत, चरण-iv, v, & vi में कर रही है। वर्तमान आर्डर का मूल्य करीब रु 425 करोड़ है। कार्यरत कार्मिकों की प्रर्याप्त सुरक्षा

और कड़ी निगरानी के तहत निर्माण का कार्य जारी है।

च. एफ. शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों, व्यवसायिक / आवासीय परिसरों।

1. **शैक्षणिक संस्थाएं :**

देश में शिक्षा के प्रसार के लिए बुनियादी संरचनाओं के निर्माण में कम्पनी को अपनी सहभागिता के लिए गर्व है। केन्द्रीय विद्यालय समिति और नवोदय विद्यालय समिति कम्पनी के दो बड़े ग्राहक हैं जिसके लिए कम्पनी विगत सात वर्षो से अनुषंगिक बुनीयादी सुविधाओं सहित स्कूल भवनों का निर्माण कर रही है। इन क्षेत्रों में कम्पनी की कार्यनिष्पादन हमेंशा उत्कृष्ट रही है तथा इसकी सराहना ग्राहकों ने भी की है। इन परियोजनाओं से प्रति वर्ष कुल टर्नओवर की 10 से 12 प्रतिशत कार्य प्राप्त होती है।

कम्पनी ने वर्ष 2007-08 के दौरान नवोदय और केन्द्रीय विद्यालयों के निर्माण के लिए विभिन्न राज्यों जैसे झारखण्ड, बिहार, दिल्ली, कर्नाटक, तामिलनाडु आंध्रप्रदेश, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, पंजाब, छत्रीसगढ़ और मध्य प्रदेश में करीब रु 63 करोड़ मूल्य के कार्यो को अंजाम दिया है।

वर्तमान में कम्पनी के पास के. व्ही. एस और एन. व्ही. एस. के करीब 155 करोड़ मूल्य के आर्डर हैं।

केन्द्रीय विद्यालय समिति और नवोदय विद्यालय समिति के अलावा बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय, पंडीचेरी विश्वविद्यालय और सेन्ट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ हाइयर तिब्बतन स्टड्जि भी कम्पनी के ग्राहकों की सूची में शामिल है।

शिक्षा क्षेत्र में कम्पनी की चालू परियोजनाएं निम्नलिखित है।

बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय में नवीकरण और सम्बर्द्धन का काम मूल्य रु 8 करोड़।

- पंडीचेरी विश्वविद्यालय में एक स्टेडियाम का निर्माण मूल्य रु 3 करोड़।
- सारनाथ बनारस में इंस्टीट्यूट ऑफ उच्च तिब्बतन शिक्षा के लिए रु 3 करोड़।

2. **चिकित्सा परिसरों :**

अस्पतालों, हेल्थ केयर सेन्टर तथा चिकित्सा अनुसंधान संस्थानों के निर्माण में कम्पनी का योगदान उल्लेखनीय रहा है। विगत सात वर्षो के दौरान इस क्षेत्र में कम्पनी ने अपने कार्यकलापों कों बढ़ाया तथा अभूतपूर्व सफलता अर्जित की है।

इंडियन कौंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के लिए चिन्नई में निर्मित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इपीडेमीलॉजी का नयनाभिराम भवन आधुनिक वास्तुकला, गुणवत्ता और आदर्श निर्माण का छाप वहन करती है।
भारतीय चिकित्सा अनुसंधान संस्थान के अलावा कम्पनी ने त्रिपुरा सरकार के अन्तर्गत चिकित्सा परिसरों झारखण्ड सरकार के स्वास्थ्य विकाश तथा सोसाइटी ऑफ 'एप्लाइड माइक्रोवेभ इल्केट्रॉनिक्स इंजीनीयारिंग एण्ड रिसर्च (एस ए एम इ इ आर) का निर्माण कार्य अपने हाथों में लिया है।

कम्पनी की चालू चिकित्सा परियोजनाएं निम्नलिखित है :-

- नेशनल इस्टीट्यूट फॉर रिसर्च इन रिप्रोडक्टिव हेल्थ/मुम्बई, महाराष्ट्र में रु 34 करोड़ मूल्य के दो परियोजनाएं।
- पटना में राजेन्द्र मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट के लिए 150 शय्या वाली सुपर स्पेसियलिटी अस्पताल का निर्माण। परियोजना का मूल्य रू 17 करोड़ है।
- वेलापुर समीर में मेडिकल लाइनेक लेब्रोटरी ऑफ रेडिएशन शिल्ड रुम का निर्माण। मूल्य रु 11 करोड़।
- त्रिपुरा सरकार के स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत त्रिपुरा में 150 शय्या वाली तीन अस्पतालों का निर्माण।
- झारखण्ड के विभिन्न जिलों में कुल रु 118 करोड़ मूल्य के 34 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों और 2 सदर अस्पतालों का निर्माण।

3. **बहुमंजिला व्यवसायिक और आवासीय परिसरों :**

बहुमंजिला व्यावसायिक और आवासीय परिसरों के निर्माण में कम्पनी की काफी लोकप्रियता है। बोकारो इस्पात संयंत्र के लिए टाउनशिप के सड़कों के निर्माण के साथ इसकी यात्रा शुरु होती है। बाद में कम्पनी ने 'सेल' के अन्य इस्पात संयंत्रों तथा एन.टी.पी.सी. के लिए सिमाद्री, आंध्रप्रदेश में टाउनशिप का निर्माण किया।

चेन्नई में 10 मंजिला वाली एम.एल.ए. आवास के लिए निर्मित चार ठावर आज एच एस सी एल के उत्कृष्ट निर्माण का प्रतिक है।

कलकत्ता में विधान नगर नगरपालिका के लिए कम्पनी द्वारा निर्मित 'पौर भवन' एक और सफलता है।

मॉयल के लिए एच एस सी एल द्वारा प्रशासनिक भवन और आवासीय क्वाटरों (ए.बी.सी.डी. श्रेणी) का निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ समय सीमा के भीतर पूरा करने पर माननीय इस्पात मंत्री द्वारा काफी प्रशंसा की गई।

कम्पनी की चालू भवन परियोजनाएं निम्नलिखित है :-

- सिक्कीम में रु 56 करोड़ की एक तीर्थस्थल केन्द्र परियोजना।
- यांगगंग में रु 41 करोड़ की एक सांस्कृतिक केन्द्र परियोजना।
- पूर्व मध्य रेलवे के लिए सोनपुर/हाजीपुर में कर्मचारियों के लिए रु 11 करोड़ मूल्य के आवासीय क्वाटरों का निर्माण।
- हसन में पी.जी.सी. आइ एल के लिए स्टाफ क्वाटरों का निर्माण, मूल्य रु 3 करोड़।
- एम एस टी सी के लिए स्टॉक यार्ड। परियोजना मूल्य रु 8 करोड़।
- राँची में क्षेत्रीय विज्ञान केन्द्र-एन सी एस एम का निर्माण परियोजना मूल्य रु 4 करोड़।
- इडको के लिए कटक में कंम्पनी मामला भवन का निर्माण। परियोजना मूल्य रु 5 करोड़।

4. **औद्योगिक भवनों तथा बुनियादी संरचनाएं:**

यह एक और अन्य क्षेत्र है जहां कम्पनी का निष्पादन उत्कृष्ट रहा है। वर्ष 2007-08 के दौरान निम्नलिखित परियोजनाएं पूरे कर ग्राहकों को सौंप दिए गए हैं।

- हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एच.पी.सी.एल) के लिए हैदराबाद में दुर्घटना समुत्थान डाटा केन्द्र का निर्माण। कार्य मूल्य रु 6 करोड़।
- मुम्बई परिष्करण शाला (एच.पी.सी.एल) में वृहत परियोजनाओं के लिए सब-स्टेशन का निर्माण। परियोजना मूल्य रु 7.5 करोड़।
- मैंगनिज ओर इंडिया लिमिटेड (मॉयल) के लिए बालाधाट खानों में रु 12 करोड़ की लागत से जलापूर्ति नेटवर्क निर्माण।
- राजामुन्द्री एल.पी.जी. प्लांट में रु 3.5 करोड़ के सिविल कार्य।
- कर्नाटक वाटर हाउसिंग कॉरपोरेशन के लिए रु 5 करोड़ की लागत से मंदिया और ठुमकुर में गोदामों और बुनियादी संरचनाओं का निर्माण।
- कम्पनी फिलहाल कर्नाटक औद्योगिक विकास बोर्ड के लिए डोबासपेट में आर सी सी नाला और जलापूर्ति के लिए पाइप बिछाने के कार्य को संचालित कर रही है। परियोजना की लागत रु 10 करोड़ है।

5. **विदेशों में कार्य**

जैसा कि पिछले बर्षा के रिपोर्ट में बताया गया है कम्पनी दो दशक पूर्व ही 24 जुलाई 1988 को इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली के सलाह पर लीबिया में भारतीय दूतावास के निर्देश के तहत अप्रैल 1995 में आयोजित भारत-लीबिया संयुक्त आयोग की 7 वें सत्र की बैठक में यह निर्णय लिया गया कि लीबिया सरकार जेनरल पिपुल्स कमिटि फॉर योजना एवं वित्त की सहमति मिलने के पश्चात् एक साल के अंदर सभी बकाया राशि का भुगतान कर देगी। नवम्बर 2004 के दौरान लीबिया में भारत-लीबिया संयुक्त आयोग की 9 वें सत्र आयोजित हुई। नौवें सत्र के दौरान दिए गये सुझावों के संदर्श में आपकी कम्पनी ने लीबिया के संबंधित सरकारी विभागों के सहयोग से संबंधित कागजातों को प्राप्त कर भुगतान दावे को सही ठहराने के लिए कार्रवाई की है। आपकी कम्पनी ने 8 बैंक गारंटी तथा लंबित भुगतान करवा देने के लिए प्रशासनिक मंत्रालय से सरकारी स्तर पर विवादित मसलों पर एक समग्रसमाधान कारवाने का अनुरोध किया है।

तदोपरांत दिसम्बर 2007 में विदेश मामलों के मंत्रालय लीबिया सरकार से प्राप्त सूचना के संदर्भ में लीबिया परियोजनाओं के विरुद्ध समग्रदावे कौसेला (वाणिज्यिक) भारतीय दूतावास को भेज दी गई है।

6. **कार्मिक विवरण :**

एच एस सी एल 1999 में कार्यान्वित पुनर्गठन पैकेज के प्रावधान के आनुसार कम्पनी के व्यवसाय प्रचालन को अत्यधिक लागत प्रभावी बनाने के ध्येय से कर्मचारियों के लिए स्वैच्छिक सेवा निवृति विकल्प चालू किया। इस दिशा में किए गये पहल काफी सफलतापूर्ण रहा तथा कम्पनी में 1.4.2000 को मौजूद 13576 श्रमशक्ति घटकर 1.4.2008 को 1480 हो गई। व्यापारावर्त में बढ़ोत्तरी और श्रमशक्ति की संख्या में कमी के

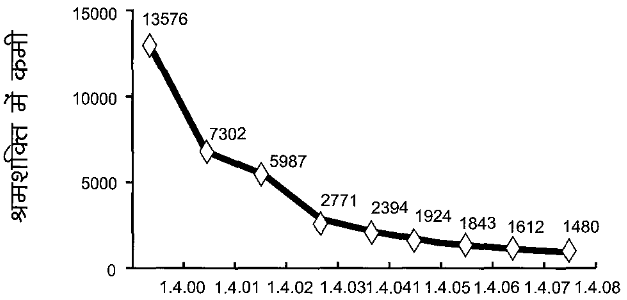

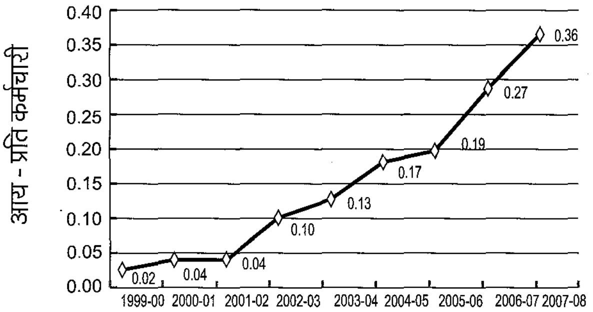

फलस्वरूप मानव उत्पादकता में व्यापक सुधार हुआ। प्रति कर्मचारी आय 1999-2000 में रु 0.022 करोड़ से बढ़कर 2007-08 में रु 0.356 हो गई।

7. **इस्पात संयंत्र इकाइयों में कर्मचारियों और अधिकारियों के लिए बहु-कुशल प्रशिक्षण कार्यक्रम :**
एच एस सी एल 'सेल' में निर्धारित प्रशिक्षण के अनुरूप 6 मानक मॉडल में अपने कर्मचारियों और अधिकारियों के लिए बोकारो तथा भिलाई इस्पात संयंत्र इकाईयों में बहु-कुशल प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। एच एस सी एल के कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने के लिए बोकारो एवं भिलाई प्रशिक्षण संस्था द्वारा अपेक्षित प्रशिक्षक की सहायता दी गई। वर्ष 2007-08 के दौरान 100 कर्मचारियों को बहु-कुशल प्रशिक्षण दिया गया। इससे बोकारो, भिलाई और विशाखापत्तनम् संयंत्रो में मौजूद हमारे कार्मिको के उपयुक्त नियोजन और उत्कृष्ट प्रयोग के अवसर खुल गये हैं। आने वाले वर्षों में भी यह प्रशिक्षण कार्यक्रम जारी रहेगा।

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति, महिला कर्मचारी, भूतपूर्व सैनिक एवं विकलांग कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व:

श्रेणी	कुल श्रमशक्ति	अनु जाति	अनु जन जाति	महिला कर्मचारी	विकलांग	भूतपूर्व सैनिक
क	283	20	2	3	3	-
ख	219	8	1	7	3	1
ग	930	122	72	42	3	-
घ	48	9	4	1	-	-
कुल	**1480**	**159**	**79**	**53**	**9**	**1**

8. **औद्योगिक संबंध :**
आम तौर पर समीक्षाधीन वर्ष के दौरान कम्पनी में औद्योगिक सम्बन्ध शान्तिपूर्ण रहे।

9. **लोक / स्टाफ शिकायत निपटारा :**
लोक / स्टाफ शिकायत निपटारा के तहत दो मामलों में अनुपालन किया गया।

10. **सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 :**
आपकी कम्पनी ने सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 को लागू किया है। इसके लिए कम्पनी ने अपने प्रधान कार्यालय में एक मुख्य सूचना अधिकारी एवं कम्पनी की विभिन्न इकाईयों में आठ सहायक जन सूचना अधिकारी नियुक्त किया है। उपरोक्त अधिनियम के प्रावधान के तहत इसके मुख्य विवाचक अधिकारी कम्पनी के उध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक हैं। इस अधिनियम की ही परिपूर्ति के रूप में कम्पनी ने अपनी कार्यालयी Website : www.hscl.org पर धारा 4(1) (ब) के तहत 17 दिशानिर्देश भी प्रस्तुत किया है। इस वित्तीय वर्ष के दौरान अधिनियम के प्रावधान के तहत प्राप्त 71 आवेदनों का निपटारा किया गया हैं।

11. **हिन्दी का प्रयोग :**
आपकी कम्पनी हिन्दी के प्रयोग को प्रोत्साहित करने के लिए राजभाषा विभाग, भारत सरकार के राजभाषा नीति और कार्यक्रमों को कार्यान्वित करने

के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इस दिशा में कम्पनी के प्रयासों को मान्यता देते हुए, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (पीएसयू), भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा "राजभाषा शिल्ड" पुरस्कार 17 अगस्त 2007 को प्रदान किया गया।

12. सतर्कता :

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान कोई भी सतर्कता संबंधी मामले लंबित नहीं है।

13. व्यवसाय, प्रबंधकीय एवं वित्तीय पुनर्गठन

कम्पनी के व्यवसाय प्रबंधकीय और वित्तीय पुनर्गठन के लिए प्रस्ताव की अनुशंसा प्रशासनिक मंत्रालय द्वारा की गई जिसका अनुमोदन वोर्ड फॉर रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ पब्लिक सेक्टर ईन्टरप्राइजेज (बी आर पी एस ई) ने दिनांक 13 मई 2008 को दिल्ली में आयोजित अपने 58 वें बैठक में की। बी आर पी एच ई के अनुशंसा को कार्यान्वित करने के लिए केबिनेट के अनुमोदन की प्रतीक्षा है जिसके लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

14. निगमित सामाजिक दायित्व संबंधी कार्यकलाप

श्री पार्थसारथी के, अध्यक्ष-सह-प्रबंध दिदेशक और श्री अभिजित घोष, निदेशक (वित्र) ने वर्ष 2007-08 के अन्तिम दिन में सी एस आर के तहत दो परियोजनाओं को कार्यन्वित कर इसका शुभारंभ किया। इस तध्य के बावजूद कि एच.एस.सी.एल विगत कई वर्षो से आबंटित योग्य अतिशेष अर्जित नहीं कर रही है फिर भी कम्पनी ने समाज में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गो के रहन सहन के स्तर को उपर उठाने तथा उनके शिक्षा के लिए बुनियादी सुविधाओं की स्थापना के लिए संतोषजनक प्रयास की है। कम्पनी के सी एस आर कार्यकलापों के लिए श्री व्ही. के सिह, प्रमुख (कार्मिक एवं प्रशा.) को नोडल अधिकारी के रुप में नामित किया गया है।

वर्ष 2007-08 के दौरान निम्नलिखित दो परियोजनाएं क्रियान्वित किए गये :-

प्रदूषण रहित सौर ऊर्जा लालटेन का वितरण।

कोलकाता से प्राय 60 किलोमीटर दूर हावड़ा जिला में स्थित आमोरागोरी गांव ज़हां बिजली की घोर संकट है को कुछ राहत पहुँचाने के लिए चुना गया। तदनुसार एक कैम्प आयोजित कर 56 ग्रामीणों के रहन सहन के स्तर को उठाने तथा उनके बच्चों की पढ़ाई के लिए रोशनी की सहायतार्थ प्रदूषण रहित सौर ऊर्जा लालटेन वितरित किया गया।

यूगोल प्रयोगशाला की स्थापना

एच एस सी एल ने कोलकाता के सल्टलेक स्थित सरकारी सहायता प्राप्त सुकान्तनगर विद्यानिकेतन (एच एस) के भूगोल कार्यशाला की स्थापना का सम्पूर्ण खर्च वहन किया है। इस स्कूल में करीब 1000 विधार्थी है जो अधिकांशतः समाज के कमजोर वर्ग से आते है।

15. वर्ष 2007-08 के लिए इस्पात मंत्रालय के साथ समझौता ज्ञापन:

कार्यदल सदस्यों के साथ नई दिल्ली में 5 फरवरी 2008 को समझैता ज्ञापन वर्तालाप बैठक आयोजित हुई जिसमें वित्तीय वर्ष 2008-09 के लिए व्यापारावर्त लक्ष्य रु. 554 करोड़ तथा परिचालन लाभ लक्ष्य (पी.बी.आई.डी.टी) रु 43 करोड़ की करार की गई।

16. निगमित शासन पर मार्गदर्शनों का अनुपालन

(i) हिन्दुस्तान स्टीलवर्क्स कन्स्ट्राक्शन लिमिटेड के बोर्ड सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधक के लिए कारबार संचालन संहिता और आचार।

केन्द्रीय पब्लिक सेक्टर उद्यम के लिए निगमित शासन पर मार्गदर्शन के परिशिष्ट -vi में अन्तर्विष्ट बोर्ड सदस्यों और वरिष्ट प्रबंधन के लिए सार्वजनिक उद्यम विभाग द्वारा परिचालित परिपत्र संख्या 18 (8)/2005 - जी एम दिनांक 22.6.2007 के तहत आदर्श आचार संहिता और उसके बाद संदर्भ संख्या : 4(43)/2006 - समन्वय दिनांक 29.8.2007 के तहत सचिव (इस्पात) द्वारा निदेशित निदेशक मंडल द्वारा कोलकाता में दिनांक 29.9.2007 को आयोजित इनके 240 वें मिटिंग के 240-10 कार्यसूची के तहत पारित किया गया है।

निगमित शासन पर मार्गदर्शन के प्रावधान के अनुसार बोर्ड सदस्यों और बरिष्ठ प्रबंधन के लिए स्वीकृत कारबार संचालन संहिता और आचार को अनुपालन के लिए परिचालित किया गया है।

(ii) स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति
कम्पनी ने प्रशासनिक मंत्रालय से कम्पनी के बोर्ड में दो अनधिकारिक निदेशकों की नियुक्ति के लिए अनुरोध किया है।

(iii) लेखापरीक्षा समिति का गठन
बोर्ड में दो अनधिकारिक निदेशकों को नियुक्त करने के पश्चात् एक लेखापरीक्षा समिति गठित की जायेगी।

(iv) बोर्ड मिटिंग की बारम्बारता
मार्गदर्शन के अनुसार प्रत्येक तिमाही में कम से कम एक बोर्ड मिटिंग आयोजित की जाती है।

17. लेखापरीक्षक

आपके निदेशकगण मेसर्स नाग एण्ड एसोसिएट्स, चार्टर्ड लेखापाल और मेसर्स एस एन मुखर्जी एण्ड कं. **चार्टर्ड लेखापाल जिन्हे सि.ए.जी ऑफ इण्डिया द्वारा वर्ष - 2007-08 के लिए कम्पनी का संयुक्त लेखा परीक्षक नियुक्त किया गया था के प्रति आपना आभार प्रकट करते हैं।**

18. कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 619(4) तहत भारत के नियंत्रक और महा लेखापरीक्षक की टिप्पणियों :

वित्तीय वर्ष के लिए कम्पनी के लेखा पर कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 619 (4) के तहत भारत के नियंत्रक और महा लेखापरीक्षक की टिप्पणियां इस प्रतिवेदन के साथ सलग्न है।

19. कर्मचारियों का पारिश्रमिक :

कम्पनी में ऐसा कोई भी कर्मचारी नहीं है जिसे कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 217(2ए) के साथ पठित अद्यतन यथा संशोधित कम्पनी (कर्मचारी विवरण) नियम 1975 में उल्लिखित सीमा से अधिक वेतन दिया गया हो।

20. निदेशकों का उत्तरदायित्व विवरण :

कम्पनी अधिनियम 1956 (कम्पनी अधिनियम, 2002 द्वारा यथा संशोधित) की धारा 217 (2एए) के अनुसंरण में निदेशकगण अभिलेख करते हैं कि :

i) लेखा जोखा तैयार करते समय लागू होने वाले गणना मानकों का यथास्थिति एवं जहाँ कहीं भी भिन्नता आयी है वहाँ समुचित स्पष्टीकरण के साथ अनुपालन किया गया है।

ii) निदेशकों ने उन्हीं गणना नीतियों का चयन और बराबर पालन किया है एवं उन्हीं के आधार पर निर्णय व अनुमान किए हैं जो औचित्यपूर्ण व विवेकपूर्ण थीं, जिससे कि वित्त वर्ष 2007-08 के अंत में कम्पनी के कारोबार से सम्बन्धित सही और स्पष्ट तस्वीर के साथ साथ अवधि के लिए कम्पनी के लाभ और हानि लेखों को प्रस्तुत कर सके।

iii) निदेशकों ने कम्पनी की परिसम्पत्तियों को सुरक्षित रखने, जालसाजी और अन्य अनियमिताओं का पता लगाने और उनके रोकथाम के लिए कम्पनी अधिनियम 1956 के प्रावधानों के अनुरूप लेखाजोखा का पर्याप्त रेकार्ड रखने में पूरी और समुचित सावधानी बरती है।

iv) निदेशकों ने कम्पनी का वार्षिक लेखा जोखा एक ''चलते प्रतिष्ठान'' के रूप में तैयार किया है।

21. निदेशक मण्डल :

श्री पार्थसारथी के, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक एवं श्री अभिजित घोष निदेशक (वित्त), कम्पनी के पूर्णकालिक निदेशक हैं।

श्री के. ए. एस देव, भा.प्र.से. संयुक्त सचिव, भारत सरकार इस्पात मंत्रालय, की जगह डा. यू. पी सिंह संयुक्त सचिव भारत सरकार इस्पात मंत्रालय को कम्पनी के बोर्ड में अंशकालिक अधिकारी निदेशक के रूप में दिनांक 9 अक्टुबर 2007 से नियुक्त किया गया है।

श्री एन. आर दाश, निदेशक इस्पात मंत्रालय कम्पनी के बोर्ड में अंशकालिक आधिकारी निदेशक के रुप में बने रहेगें।

श्री आर रामाराजू, प्रबंध निदेशक, भिलाई इस्पात संयंत्र और
श्री व्ही के श्रीबास्तव, प्रबंध निदेशक, बोकारो इस्पात संयंत्र कम्पनी के बोर्ड में अंशकालिक अधिकारी निदेशक के रूप में बने रहेंगें।

श्री के. ए. एस देव द्वारा उनके महत्वपूर्ण सेवाओं के लिए निदेशक मंडल उनके प्रति आभार प्रकट करता है।

22. आभार ज्ञापन

आपके निदेशगण माननीय केन्द्रीय इस्पात मंत्री, माननीय इस्पात राज्य मंत्री, सचिव (इस्पात) और इस्पात मंत्रालय के अन्य पदाधिकारियों द्वारा समय समय पर कम्पनी को प्रदत्त अमूल्य सहयोग, निर्देश और प्रोत्साहन के लिए उनका तथा केन्द्रऔर राज्य सरकार के विभागों, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लि०, राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड, नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन तथा अन्य केन्द्रीय व राज्य सरकार के उपक्रमों के प्रति आपना आभार प्रकट करते हैं। हम अन्य मूल्यवान ग्राहकों से प्राप्त सहयोग और सहायता के लिए उनका आभार ज्ञापन करते हैं।

आपके निदेशकगण भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक एवं प्रधान निदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा एवं पदेन सदस्य लेखा बोर्ड, राँची तथा उनके अधिकारियों और सांविधिक लेखापरीक्षकों से प्राप्त सहयोग और मार्गदर्शन के लिए उनका आभारी है।

आपके निदेशकगण कम्पनी के अधिकारियों, स्टाफ और कर्मचारियों के प्रति भी उनके महत्वपूर्ण सेवाओं के लिए अपना आभार ज्ञापन करते हैं।

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से

पार्थसारथी के.

(श्री पार्थसारथी के.)
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक

स्थान : कोलकाता
दिनांक : 18 जुलाई 2008